हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 5 अक्टूबर 2026

12 सेक्टर-6 क्रिकेट प्रीमियर लीग में मेवरिक टीम



12 गुजरात नहीं, खेल महाकुंभ पर हरियाणा का पहला हक



खबर संक्षेप

पत्नी को तलाशने की गुहार, मुकदमा दर्ज

बहादुरगढ़। बादली थाना क्षेत्र के एक गांव से महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। दो दिन बीत जाने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला तो पति ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई हे। संदीप का कहना है कि जब 1 अक्टूबर को वह घर पर आया तो पत्नी पूजा घर पर नहीं थी। काफी इंतजार करने के बाद भी नहीं आई तो तलाश शुरू की। तब से लेकर अब तक तमाम संभावित ठिकानों पर ढूंढ चुके हैं लेकिन कुछ अता पता नहीं है। उधर, बादली थाना पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

विशेष लोक अदालत में 35 मामलों का निपटारा

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम के आदेशानुसार न्यायालय परिसर झज्जर एवं बहादुरगढ़ में एनआई एक्ट (चेक बाउंस) मामलों के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें 35 मामलों का आपसी समझौते से निपटारा हुआ सेटलमेंट 2.58 करोड़ से अधिक की राशि पर बनी सहमति। सीजेएम विशाल ने बताया कि न्यायालय परिसर में परक्राम्य लिखित अधिनियम 1881 के अंतर्गत लंबित चेक बाउंस मामलों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस विशेष लोक अदालत में मुकदमों की सुनवाई एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए कुल दो बेंचों का गठन किया गया था। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के समक्ष चेक बाउंस से जुड़े कुल 146 लंबित मामले सुनवाई के लिए रखे गए। इनमें से दोनों पक्षों की आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर 35 मामलों का मौके पर ही निपटारा किया गया। उन्होंने बताया कि सुनवाई के लिए रखे गए मामलों में कुल 3,31,59,171 रुपये की विवादित राशि शामिल थी, जिसमें से दोनों पक्षों की सहमति से 2,58,44,171 रुपये की राशि पर समझौता तय हुआ।

बाइक चोरी के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सिटी थाना पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी और चुराई गई बाइक बरामद की गई है। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। दरअसल, दिल्ली के निवासी साजन ने पुलिस को शिकायत दी थी कि 28 सितंबर को एमआईई स्थित कंपनी में आया था। बाइक बाहर खड़ी की थी। कुछ देर बाद कंपनी से निकला तो बाइक नहीं मिली। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया। इस शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान रोहित निवासी व प्रदीप के रूप में हुई है। प्रवासी मूल के दोनों आरोपी फिलहाल नजफगढ़ में रहते हैं।

जिला व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी वर्षा खांगवाल व उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में संबंधित एसडीएम आमजन की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे। उन्होंने बताया कि शिविरों में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें एवं समस्याएं दर्ज करवाई जा सकेंगी। संबंधित अधिकारियों को मौके पर शिकायतों के त्वरित निपटारे के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।



सबसे बड़ा सवाल : मौत हादसा, आत्महत्या या फिर कोई बड़ी साजिश

एनसीआर माइनर में 100 मीटर के दायरे में मिले महिला और पुरुष के शव

जसौर खेड़ी निवासी युग ने अपने खेतों में जाते समय माइनर में देखा शव, पुलिस को दी सूचना, मृतकों की उम्र 35 से 40 वर्ष के बीच

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव जसोरखेड़ी से गुजर रही एनसीआर माइनर में महिला और पुरुष के शव मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों शव पानी में 100 मीटर के दायरे में मिले हैं। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। इनकी मौत हादसा है, आत्महत्या है या फिर कोई साजिश, यह फिलहाल सवाल बना हुआ है। आसौदा थाना पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। घटना रविवार दोपहर की है। दरअसल, जसोरखेड़ी का निवासी युग अपने खेतों में जा रहा था। इस दौरान उसे माइनर में एक शव दिखाई दिया। कुछ ही दूरी पर एक और शव नजर आया। इसके बाद उसने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचित किया।



बहादुरगढ़। माइनर में नजर आ रहा शव। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने शवों को पानी से बाहर निकालकर की तफ्तीश की

सूचना पाकर आसौदा थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शवों को पानी से बाहर निकालकर तफ्तीश की गई। मृतकों की उम्र 35 से 40 वर्ष आंकी जा रही है। शव 3 से 4 दिन पुराने प्रतीत हो रहे हैं। कहीं हद तक गल सड़ चुके हैं। लिहाजा प्रथम दृष्टया शरीर पर किसी तरह के बाहरी चोट के निशान नजर नहीं आ रहे। मौत डूबने से ही हुई या फिर किसी अन्य कारण से, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो सकेगा। मृतक एक-दूसरे के परिचित थे या फिर संयोगवश दोनों शव साथ मिले, इस बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता।

स्थानीय पुलिस अन्य जिलों से संपर्क कर गुमशुदा लोगों का जुटा रही डाटा

हादसा, आत्महत्या सहित कई तरह की आशंकाएं जोर पकड़ रही हैं लेकिन असल खुलासा मृतकों की शिनाख्त के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल स्थानीय पुलिस आसपास लगते अन्य जिलों की पुलिस से संपर्क कर गुमशुदा लोगों का डेटा जुटा रही है ताकि शवों की शिनाख्त में मदद मिल सके। पीएसआई आकाश कुमार का कहना है कि माइनर में दो शव मिले हैं। उनकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पहचान, जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बिट्टू की मौत के मामले में स्थिति जस की तस

बहादुरगढ़। नागरिक अस्पताल की निर्माणाधीन बिल्डिंग में मृत मिले बिट्टू के मामले में फिलहाल स्थिति जैस की तस है। तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस फुटेज में बिट्टू के साथ नजर आने वाले शख्स तक नहीं पहुंच पाई है। उस शख्स के गिरफ्त में आने के बाद ही बिट्टू की मौत के राज से पर्दाफाश होने की उम्मीद है। दरअसल, लाइनपार का निवासी बिट्टू बुधवार की सायं घर से बाइक लेकर निकला था और अगली सुबह उसका शव अस्पताल की निर्माणाधीन छह मंजिला बिल्डिंग के फर्श पर खून से लथपथ हालत में मिला था। उसकी बाइक अस्पताल परिसर में डिस्पेंसरी के पास से बरामद हुई। जानकारी के मुताबिक, अस्पताल की एक फुटेज में बिट्टू के साथ संदिग्ध युवक देखा गया। वह युवक कौन है और बिट्टू किस सिलसिले में अस्पताल में आया, यह फिलहाल सवाल बने हुए हैं। फुटेज में दिखाई दिए युवक की पहचान कर उस तक पहुंचने के लिए पुलिस की कई टीमें भागदौड़ कर रही हैं। दूसरी तरफ बिट्टू के परिवार को न्याय का इंतजार है। जांच के बाद ही मामले की असल सच्चाई सामने आ सकेगी।

झज्जर रोड पर नाला ब्लॉक होने से जमा हुआ गंदा पानी



- स्थानीय निवासियों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी
- पानी जमा होने से बनी गंदगी और दुर्गंध की समस्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के झज्जर रोड पर नाला ब्लॉक होने के कारण जलभराव की समस्या गंभीर हो गई है। नाले की निकासी बाधित होने के कारण नहर से लेकर सड़क के एक बड़े हिस्से में गंदा पानी भरा हुआ है। इसके चलते स्थानीय निवासियों के साथ-साथ इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जमा गंदे पानी के कारण लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है, वहीं आसपास के क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध की समस्या भी बनी हुई है।

बता दें कि झज्जर रोड शहर के प्रमुख मार्गों में शामिल है और यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग गुजरते हैं। ऐसे में सड़क के बड़े हिस्से में गंदा पानी जमा होने से वाहन चालकों और पैदल चलने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए इस रास्ते से निकलना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। सफाई के लंबे-चौड़े दावों के बावजूद नाला ब्लॉक होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। इससे गंदा पानी सड़क पर जमा हो रहा है। जलभराव के कारण सड़क से गुजरने वाले लोगों को परेशानी के साथ-साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। सड़क पर लंबे समय तक गंदा पानी जमा रहने से आसपास के वातावरण में दुर्गंध फैलने और मच्छरों के पनपने की आशंका भी रहती है। इससे स्थानीय निवासियों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए रोजाना इस गंदगी के बीच से निकलना परेशानी का कारण बना हुआ है। स्थानीय निवासी जितेंद्र ढाका, प्रवीण कुमार, प्रताप सिंह व हरीश आदि ने कहा कि नाले की सफाई करवाकर पानी की निकासी बहाल की जानी चाहिए, ताकि सड़क पर जमा गंदे पानी से लोगों को राहत मिल सके।

पक्की नौकरी के लिए आशा वर्कर्स ने किया प्रदर्शन

- शहर के शहीद स्मारक में बैठक पर आंदोलन पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

न्यूनतम वेतन 42 हजार रुपए प्रतिमाह करने, आशा वर्कर्स को पक्का कर्मचारी बनाने और सामाजिक सुरक्षा समेत अन्य मांगों को लेकर आशा वर्कर्स यूनियन आंदोलन तेज करेगी। रविवार को बहादुरगढ़ के शहीद स्मारक में आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी वर्कर्स और मिड-डे मील वर्कर्स की बैठक में आंदोलन पर चर्चा की गई। जिला प्रधान किरण की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन जिला सचिव प्रवेश मातनहेल ने किया। बैठक के उपरांत उन्होंने विधायक राजेश जून से मिलकर ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि सरकार ने समय रहते उनकी मांगें पूरी नहीं कीं तो 1 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़े आंदोलन में झज्जर जिले की आशा वर्कर्स बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगी। यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि 6 अक्टूबर को जिले की आशा वर्कर्स ग्रीन बेल्ट में एकत्र होकर विधायक गीता भुक्कल को मांगपत्र सौंपेंगी। इसके बाद उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री को भी मांगपत्र भेजा जाएगा।



बहादुरगढ़। शहर में प्रदर्शन करतीं आशा वर्कर्स। फोटो : हरिभूमि

एचबीएनसी व एचबीवाईसी का भुगतान विजिट के आधार पर करने की मांग

बैठक में सतबीर, मुकेश, सीमा, दुर्गा, असमीना, सुदेश सोनी, प्रकाशी और मिड-डे मील वर्कर्स की नेता सूरजमुखी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने विचार रखे। आशा वर्कर्स ने केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2025 में घोषित 1500 रुपए की बढ़ोतरी लागू करने, वर्ष 2023 की हड़ताल के दौरान काटे गए फिक्स मानदेय और इंसेंटिव को बहाल करने तथा एचबीएनसी और एचबीवाईसी का भुगतान विजिट के आधार पर करने की मांग की। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा लाभ, मातृत्व व मेडिकल अवकाश के दौरान मानदेय, सेवानिवृत्ति की उम्र 65 वर्ष करने, डेथ क्लेम बढ़ाने और स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति पर 2 लाख रुपये देने की मांग रखी।

अलग-अलग सड़क हादसों में तीन घायल, दो की हालत गंभीर

- दो हादसे बादली तो तीसरा सदर थाना क्षेत्र में हुआ, जांच शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

इलाके में अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसों में 3 लोग घायल हो गए। दो हादसे बादली तो तीसरा हादसा सदर थाना क्षेत्र में हुआ। संबंधित थानों की पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, डाबोदा का निवासी बलजीत सुबह क वक्त बुपनिया रोड पर टहलने गया था। वापसी में जब पावर हाउस के निकट पहुंचा तो किसी वाहन की चपेट में आ गया। हादसे में उसे गंभीर चोट आई। राहगीरों ने देखा तो संभाला और उसके परिजनों को सूचना दी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों की शिकायत पर इस संबंध में सदर थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। इन दोनों शिकायतों पर बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

बाढ़सा एम्स के पास पिकअप गाड़ी की चपेट में आने से एक युवक बुरी तरह हुआ घायल, पीजीआई रेफर

बाढ़सा एम्स के पास पिकअप गाड़ी की चपेट में आकर एक युवक बुरी तरह से घायल हो गया। घायल की पहचान मनजीत के रूप में हुई है। मनजीत के अनुसार, वह सुबह के वक्त एम्स की तरफ टहलने जा रहा था। इसी दौरान पीछे से पिकअप गाड़ी ने टक्कर मारी और चंपत हो गया। इसी तरह दुल्हेड़ा के पास हुए एक हादसे में मांडोठी मूल का युवक आशीष गंभीर रूप से घायल हो गया। आशीष के मुताबिक, वह कैंटर गाड़ी में माल भरकर गुजरात जा रहा था। जब झज्जर-बहादुरगढ़ मार्ग पर दुल्हेड़ा के पास पहुंचा तो सामने से एक ट्राले ने टक्कर मारी। भीषण टक्कर में मेरी गाड़ी का केबिनेट बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और मेरे पांव फंस गए। जैसे तैसे गाड़ी से मुझे बाहर निकाला गया। पांव, हाथ, सिर सहित अन्य हिस्सों में गहरी चोट आई। अस्पताल ले गए तो पीजीआई रेफर कर दिया गया।

एचटेट रिवाज्ड रिजल्ट के उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की हुई बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन प्रक्रिया



झज्जर। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रविवार को एचटेट रिवाइज्ड रिजल्ट में उत्तीर्ण हुए परीक्षार्थियों का बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन का कार्य किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा बोर्ड से कर्मचारी मनीष कुमार व बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन फॉर्म द्वारा कार्य पूर्ण किया गया। वेरिफिकेशन प्रक्रिया के लिए जिले के सभी केंद्रों पर दिनभर परीक्षार्थियों की भारी संख्या भीड़ जमा रही।

भाजपा नेता जसबीर ने ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया में सीसी रोड निर्माण की गुणवत्ता पर उठाए सवाल



बहादुरगढ़। भाजपा नेता जसबीर सैनी ने ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया में सीसी रोड के साथ लगाई जा रही इंटरलॉकिंग टाइलों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पूर्व पार्षद के अनुसार टाइलों के नीचे पर्याप्त बेस तैयार करने की बजाय सीधे मिट्टी के ऊपर ही मसाला डालकर टाइलें लगाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सैनी ने एचएसआईआईडी के अधिकारियों और ठेकेदार की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए कहा कि इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से करके विजिलेंस जांच करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ट्रेडिंग के नाम से लिंक भेज कर साइबर फ्रॉड करने मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। साइबर क्राइम पुलिस की एक टीम द्वारा ट्रेडिंग के नाम से लिंक भेज कर आठ लाख रुपये का साइबर फ्रॉड करने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रबंधक साइबर क्राइम निरीक्षक दर्शन सिंह ने बताया कि झज्जर निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य सिपाही संदीप कुमार की टीम ने दो आरोपियों को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुनील व अंकुश दोनों निवासी नाढोडी जिला फतेहाबाद के तौर पर की गई है। आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपियों को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।



साथी आढ़तियों ने किया समर्थन, आज डीसी से मिलेगी एसोसिएशन

तीसरे दिन भूख हड़ताल पर बैठे आढ़ती हरेंद्र सिलाना

एमएसपी पर बाजरे की खरीद की उठाई मांग, मार्केट कमेटी द्वारा गेट पास कटने हुए शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

एमएसपी पर बाजरे की सरकारी खरीद सहित अन्य मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे आढ़ती एसोसिएशन के पूर्व प्रधान हरेंद्र सिलाना तीसरे भी भूख हड़ताल पर रहे। इस बीच आढ़ती एसोसिएशन ने भी हरेंद्र सिलाना का समर्थन करते हुए धरने में शामिल होने की बात कही। वहीं आढ़ती एसोसिएशन सोमवार को डीसी से मुलाकात कर अपनी मांगे रखेंगे। हरेंद्र सिलाना ने कहा कि जब तक एमएसपी पर सरकारी खरीद नहीं होती तब तक वे भूख हड़ताल पर रहेंगे। अगर फिर भी सरकार उनकी मांग पूरा नहीं करती है तो वे स्वयं किसानों का एमएसपी पर बाजरा खरीदने से पीछे नहीं हटेंगे।



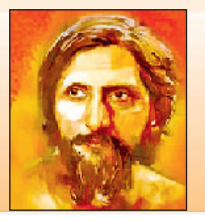
झज्जर। अनाज मंडी परिसर में भूख हड़ताल पर बैठा आढ़ती एसोसिएशन का पूर्व प्रधान हरेंद्र सिलाना।

ई-खरीद पोर्टल पर काटा जाए गेट पास

उन्होंने कहा कि मार्किट कमेटी द्वारा गेट पास काटने शुरू कर दिए है। जिनसे किसानों को कुछ राहत मिली है। उन्होंने मार्किट कमेटी बोर्ड अधिकारियों व कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि एक मांग पत्र भी प्रशासनिक अधिकारियों व सीएम को भेजा है। भेजे गए पत्र में मांग की गई है कि आढ़तियों के पास जितना बाजरा है, किसानों को उन सब का ई-खरीद पर गेट पास काटा जाए व मंडी में आने वाले किसानों के साथ गेट व्यवहार ठीक किया जाए। उन्हें परेशान नहीं किया जाए। बाजरे की खरीद अति शीघ्र शुरू करवाई जाए आदि शामिल है।

पेट जितना भी भरा रहे, आशा कभी नहीं भरती। वह जीवों को कोई-न-कोई अप्राप्य, कुछ नहीं तो केवल रंगों की माया का इंद्रधनुष प्राप्त करने के मायावी दलदल में फँसा ही देती है।

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'



उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था।





कहानी

अशोक जैन

दूसरे छोर पर

मौसम में ठंडक बढ़ने लगी है। दूर-दूर तक खामोशी है। लगता है कि उदासी सशरीर शाम के रूप में आकर फैल गई है। बरामदे में आराम कुर्सी पर अधलेटी सी मिसेज खन्ना मानसिक तपिश से अकुला रही है। दूर, बहुत ऊंचे तारों की ओढ़नी का चमकीलापन समेटे आकाश की ओर देखती उनकी आंखें, उनके होंठ आज इस तरह मौन हैं, जिनमें शाम की उदासी का आभास होता है, परंतु मन में खौलता बवंडर अब शांत हो चला है। कामवाली बाई दूसरी बार चाय लाई। 'मेम साहब, चाय लीजिए। दूसरी बार लाई हूं।' उसके स्वर में बेचारगी स्पष्ट है। 'ना, काकी। चाय नहीं चाहिए। बड़ी तपिश लग रही है।'

एक हल्की दर्द भरी मुस्कान उनके होंठों पर उभरी। 'तो कुछ ठंडा बना दूं क्या?' उसने फिर पूछा। 'नहीं, रहने दो।' नौकरानी ने अचकचा कर उनकी ओर देखा। फिर मन ही मन कुछ बुदबुदाते हुए लौट गई। वे आज किस गहन चिंता में हैं, कोई नहीं समझ सका। समझे भी कौन? नौकरानी, रामू कौन है जो उनके व्यक्तित्व को पढ़ सके। हां, पास मेज पर पड़ा वह अधखुला पत्र उनकी समस्त चेतना को जकड़े हुए है। मिसेज खन्ना का हाथ अचानक अपने माथे पर जा टिका। हल्की सिकुड़न से भरा माथा और दो-चार चांदी से सफ़ेद बाल, जो सहसा ही अंगुलियों को छू गये। आज आंसू भी उमड़ते हैं तो जैसे बीच में ही कोई उन्हें मोती सा चुग लेता है। जीवन का एक-एक पृष्ठ खुलता है और पहलू बदलती वे मिसेज खन्ना, सुविधा की मां नहीं, आज बस मधु बन गई है। शून्यता और अकेलेपन से भरते मन को धीरे कांपते हाथों का स्पर्श देती उनकी आंखें फूट पड़ने को हो गईं, पर अपने को संयत करते हुए वे सोचने लगी हैं: अब तो सब कुछ समाप्त हो गया --। किसके लिए रोये? क्यों रोये? दर्द से भीगे ठंडे उच्छवास हवा में वाष्प बन कर उड़ने लगे.....सुविधा ने पत्र में लिखा है: 'मम्मी! बीते महीने से ही यथा समय मैं तुम्हें पत्र नहीं लिख सकी। बाईगाड, बहुत व्यस्त रही। वो जो हमारे साथ सूरज था न, इसी सप्ताह विदेश जा रहा है। हम दोनों काफी समय से लिव इन में थे। अच्छी तरह जानते हैं एक-दूसरे को! इतने बड़े महानगर में सहारे को कोई तो चाहिए था न- बस!! वैसे भी वह हमारे मेडिकल कॉलेज का हीरो है, ममा। उसकी जिद थी कि विदेश जाने से पहले हम शादी कर लें। इतनी जल्दी में हो भी क्या सकता था! हमने कोर्ट मैरिज कर ली है। मम्मी! डोंट माइंड प्लीज। छोड़ो इन झूठे रीति-रिवाजों को। हां, यदि तुम्हारी बड़ी इच्छा होगी तो उसके लौट आने पर फेरे भी लगवा लेना। क्यों ठीक है न ममा? कालेज बंद होगा और मैं शीघ्र ही घर के लिए चल दूंगी। सूरज को हमने सीआफ कर दिया है।'

मिसेज खन्ना के मन में पत्र की पंक्तियां पानी में डोलते दियों सी झिलमिलाती हैं और उनकी कांपती लौ में मन जैसे आगे कुछ पढ़ ही नहीं पाता ! उनकी बेटी ने विवाह कर लिया! सूचना भी भेज दी है!!! मन में दबी कुंठा उभर आई। क्यों नहीं!! उनके विगत जीवन के इतिहास को भी निर्ममता से कुरेद दिया है। बस एक पत्र ने-- मन अपने धुंधलाते से अतीत में भटक गया है... वे भी अपने मां-बाप की इकलौती संतान थी। दिनेश से जब उन्होंने विवाह किया था, तब उनकी परिस्थिति में इतना भर ही तो अंतर था कि मां-बाप ने दबी जुबान से सहमति दिखलाई : 'बेटा, तुम पढ़ी-लिखी हो, समझदार हो अपना अच्छा बुरा समझती हो। पर- 'पर क्या मां? मैं भी तो अपना भला सोच सकती हूं न!'

उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था। 'मधु, वह रिश्ता तो कहने भर को ही था। मन और शरीर तो उससे अबंधा और अछूता ही रहा--' 'इतना बड़ा अविश्वास! मुझे पहले क्यों नहीं बताया?' वह लगभग चीख पड़ी थी। वह चुप हो गया था और दोनों ने अपने रास्ते अलग-अलग कर लिए थे। तब सुविधा नन्हीं सी ही थी। मन की शून्यता के रहते उन्होंने सुविधा को अमिट दुलार देकर पाला-पोसा था। अपना सर्वस्व उन्होंने अपनी सुविधा पर ही केंद्रित कर दिया था। जीवन की हारी बाज़ी को मानो विजय में बदल डालना चाहती थी। दिनेश ने कई बार सुलह की कोशिश की, पर उस छलाव में वे दोबारा नहीं पड़ना चाहती थी। उनकी सुविधा बड़ी हो रही थी। कितनी रातें चिंताओं में कट जाती थीं। अपना क्या है, पर सुविधा को कोई दुःख न हो। अपनी बेटी में ही वह अपने आप को देखती थी-किंतु वे ठिठकीं : भूल कहां हो गई, वे समझ नहीं पा रही थीं। उन्होंने शायद अति आदर्श के पीछे ही तो नहीं अपने को खो दिया है, यानि इस बार फिर वो छली गई। मन का पोर-पोर जैसे व्यथा से भर उठा, किंतु अब वे बिखरेंगी तो फिर अपने को सहेज भी न सकेंगी। चेहरे पर विषाद फैलता जा रहा था। मन के कोने हल्के दर्द से पीड़ित होकर सिसकने लगे थे। जब सुविधा नन्हीं सी थी, तब कैसी बातें किया करती थी। और फिर उम्र के विकास के साथ-साथ वयस्क और गंभीर होती सुविधा -- यादें क्रमवार उमड़ने लगी थीं: कितनी संयत, कितनी धीर! कभी-कभी उसके गांभीर्य से वे घबरा उठतीं। वे चाहती थीं कि वह खूब चहके ताकि उनका रंगहीन जीवन मूकता की निस्पंदता से न सोया रहे। सुविधा की हंसी की खातिर वे बार-बार हंसती थीं और आज वही सुविधा -!! वह सोचते-सोचते क्षण भर को ठहरी! अपने भाग्य की विडंबना को याद कर मन तल्खी से भर उठा। कहीं सुविधा को भी उन लोगों ने न अपनाया तो! उस अभागिन के साथ तो उसकी बदनसीब मां का इतिहास भी है, पर सुविधा तो बड़े विश्वास से कहती है:' सूरज के पिता उसे बेटी की तरह दुलराते हैं।' सहसा बेटी का मोह भरा रूप, उसकी कोमल कामना जैसे उसके मन में भी झांक उठी और मन ममता से भीग उठा।

तभी घरघराती हुई मेट्रो ट्रेन से उनकी तंद्रा भंग हुई। उसने अपने आप को समेटा। वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था सुविधा के स्वागत के लिए। वातावरण में हल्की सी चांदनी फैल चुकी थी। झटके से उठने पर कुर्सी देर तक हिलती रही। बादलों का एक गुच्छा पश्चिम से उभरने लगा था, शायद बारिश भी हो। देर तक उसे देखते हुए वे अंदर की ओर बढ़ गई। कमरे में पहुंच कर उन्होंने आवाज लगाई: 'काकी, जरा एक कप चाय दे जाना।'

वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था

लघुकथा

इंतजार

मनहरी पिछले तीन दिन से खटिया पर पड़ी है। हाथ-पैर ऐंठने लगे हैं। उम्र नब्बे के पार होने को आई। परलोक गमन का समय आ पहुंचा था। पति तो कई वर्ष पहले ही भगवान को प्यारे हुए। एक बेटा और एक बेटी, बुढ़ापे का यही सहारा हैं। बेटा दिल्ली में सरकारी अफसर है। उसकी बहू भी वहीं किसी स्कूल में टीचर है। उन्हें मां का हाल-चाल जानने का वक्त ही कहां मिला, बुढ़ापे में कैसे वह चूल्हा जलाती है, कैसे रहती है और कैसे खाती-पीती है ?..हाँ, बेटी जरूर ससुराल से आती-जाती रही। मां का हाल जानने की चिंता और मां के प्रति उसकी सहानुभूति सदैव रही। दामाद भी उसके साथ दस-बीस रोज में आते-जाते रहे। घर में नाती-नातिन खूब धमा-चौकड़ी मचाते हैं। उनके कारण मनहरी का मन लगा रहता था। पति की यादें मनहरी के साथ हमेशा से रही। इस उम्र में उनकी यादों के सहारे वह जीती रही। जोड़-तोड़कर सब तो बेटे पर लगा दिया था। उसे पढ़ाया-लिखाया, नौकरी लगाया और दिल्ली में मकान भी बनवा दिया। कहता था- सब वहीं रहा करेंगे। लेकिन बाद में कहने लगा, शहर में बसेरा मुश्किल है, हमारा गुजर भी ठीक से नहीं हो पाता। उम्र बीत गई...अब किसी से क्या शिकवा-शिकायत, उसकी वो जाने?..गांव का घर भी तो खाली नहीं छोड़ा जा सकता था।



डॉ. सुरेश वशिष्ठ

शायद इसी से पिछले कुछ वर्षों में मनहरी को पति की बहुत याद आती रही। घर के निर्जन कोने में खटिया पर पड़ी वह उनका स्मरण करने लगती थी।...कितना प्रेम था उन्हें मनहरी से, खांसी भी आती तो बेचैन हो उठते। गांव के दवाघर से तुरन्त दवा लेने दौड़ पड़ते। घर के काम में भी हाथ बंटाते। अब इस उम्र में कैसे भी काम-धाम निबटा ही लेती। ललिता जब भी आती, झाड़-बुहारकर घर को साफ-सुथरा संवार देती। हर चीज को करीने से जगह पर रखती। मां के खाने-पीने, सेवा-सुश्रुषा का ध्यान रखती। दामाद भी जब तक रहते, किसी ना किसी काम को संवारने में ही लगे रहते। बुढ़ापे में जो पेंशन मिलती रही, उसी में गुजर होता रहा। छोटी नातिन से नानी को बहुत लाड है। वह नानी से खूब बातें करती और नानी की गोद में ही सिमटी रहती।

मनहरी का मन विभोर होने लगता। बेटा मनोज तो महीनों में घर आता था। घर आने पर हमेशा उसे वापस जाने की जल्दी लगी रहती थी। कभी अकेला तो कभी पत्नी को साथ लिए। पोते-पोती तो बहुत कम गांव में आते थे। उन्हें तो पढ़ाई से फुर्सत ही नहीं। दादी से मोह भी नहीं। पैदा भी दिल्ली में हुए और गांव में आना-जाना कम ही रहा। बहू हाल-चाल तो पड़ोसी के फोन पर भी जान लेती थी, लेकिन बुढ़ापे की प्रीत को वह कभी नहीं समझ पाई। मनहरी हमेशा उस प्रीत की जरूरत में कुढ़ती रही। ललिता मां के उलझे बालों को संवारती, पैरों में मालिश करती, कपड़े बदलती, नहलाती-धुलाती और सलीके से सब काम निबटा लेती। मनोज की बहू इन कामों से दूर ही रहती रही। मां की तबीयत को सुनकर बेटा और बहू आ तो गए, लेकिन उन्हें वापस जाने की बेचैनी बहुत थी। इंद्र काका मनहरी का हाल जानने दिन में कई बार आते। ललिता से सब पूछते और कुछ काम रहता तो करते भी।

ललिता तो खटिया से दूर जाती ही नहीं थी। बीच-बीच में आंसू बहाने लगती और मां की यादों में गुम रहती। बेटा उसे डांट देता, कहता - 'रोती क्यूं है, अब मां को तो जाना ही है। मां तो फिर भी नब्बे पार कर गई, लोग तो सत्तर-अस्सी भी नहीं पकड़ पाते। रो-धोकर हमारा भी मन मैला न कर! रोने का कोई मतलब नहीं।...हमें देख, ड्यूटी छोडकर यहां बैठे हैं। वहां जवान लड़की को पड़ोसियों के भरोसे छोड़कर आए हैं। वे हर दिन हमारी राह तकते हैं। अम्मा का भरोसा क्या, जाने को अभी चली जाएं, ना जाएं तो दस दिन बिता दें ! हम तो ऑफिस छोड़कर आ ही गए। इंतजार भी बहुत हुआ...सोचा था, अंतेष्ठी और तेरहवीं जल्दी निपटाकर लौट जाऊँगा लेकिन उनकी सांस है कि छूटती ही नहीं। राम भला करे...उम्र हो गई। आगे कष्ट ही बढेगा।' बेटी दर्द में तड़प उठती, कहती कुछ नहीं। मनहरी की सांसें अटकी ही रही। इंतजार कर बेटा-बहू लौट गए। ललिता वहीं रही। उसने मां की सेवा में दिन-रात एक कर दिया। आठवें दिन मनहरी ने आंखें खोली। बेटी खुश हुई। धीरे से उसने कहा-' भाई कहाँ है?' बेटी बोली- 'वह तो चला गया। कल तक यहीं था, भाभी भी यहीं थी।'

मनहरी की आंखों से आंसू टपक पड़े। धीरे से उसने कहा- 'गंगाजल डाल दे।' ललिता रोती हुई गंगाजल लेकर आई। माँ के मुख में कुछ बूंदें डाली और प्राण हवा हो गए। बेटी पहले तो कुछ समझ न सकी और फिर पछाड़ खाकर गिर पड़ी। इंद्र काका ने मनहरी की आंखों पर हाथ रखा और पलकें मूंद दी गई। नातिन भी रो-कर नानी की गोद में सिमट गई। दामाद दूर खड़ा आंसू बहाता रहा। इंद्र काका माथे पर हाथ रखकर बैठ गए। बेटे को इतला दे दी गई और उसका इंतजार होने लगा।

कवि कॉर्नर

कविता | सुधीर ढांडा कौल



दिल की बात

बचपन मे हम भी उड़ाते थे पतंग,
उड़ाते उड़ाते हो जाती थी रात ,
छत पर बैठे बैठे करते रहते थे
हम अपनी पतंग से दिल की बात।

दूसरों की पतंग काटने का हमे
बहुत चाव था,और काट ही लेते थे,
जब कट जाती थी पतंग हमारी
झट छत से कूदकर भाग लेते थे।

दूसरों की पतंग काटने पर खुशी ,
अपनी कटने पर दर्द होता था,
वो बचपन भी क्या खूब था,
कभी दिल हँसता, कभी रोता था।

जब कभी देखते हैं उड़ती हुई पतंग
तो बचपन याद आता है,
थमता नही ये वक्त, कटी पतंग की तरह
दूर निकल जाता है।

दूसरों की पतंग काटने में उस वक्त
'सुधीर, माहिर हुआ करता था,
उस वक्त मेरी पतंगबाजी का किस्सा जग
जाहिर हुआ करता था।

कविता | सपना



बचपन

वो माँ का प्यार,पापा की परवाह
वो दुलार बचपन का,बहुत याद आता है ।

जब कट्टी बट्टी से दोस्ती निभती थी
जब तकरार सिर्फ़ चुटकी भर की थी
वो रिश्ते बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो हँसना बेवजह,रोना बेझिझक
वो रूठना मनाना दोस्तों का, बहुत याद आता है ।

जब घाव सिर्फ़ घुटने पर थे
जब जीत हार दो पल की थी
वो खेल बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो घंटी स्कूल की, बस्ता और स्लेट
वो छुट्टियों में नानी का घर,बहुत याद आता है ।

जब सपनें नींद नहीं उड़ाते थे
जब हम सारी खुशियाँ ख़रीद लाते थे वो
सुकून नासमझ होने का,बहुत याद आता है ।

वो महल मिट्टी के,कश्ती काग़ज की
वो बारिशें बचपन की,बहुत याद आती हैं ।

जो गली पहचानती है आहट मेरी
जिस घर में गूँजती है आवाज मेरी
वो आसमाँ मेरे शहर का ,बहुत याद आता है ।

न कल की फ़िक्र,न आज का बोझ
वो पहला पन्ना जीवन का,बहुत याद आता है ।

कवि सम्मेलन का प्रतिभागिता सम्मान



व्यंग्य | कृष्ण गोपाल विद्यार्थी



कवि सम्मेलन का पंडाल अभी पूरी तरह खाली भी नहीं हुआ था, कुर्सियों पर चाय के खाली कुल्हड़ और समोसे के चिकने कागज़ हवा में उड़ ही रहे थे कि महाकवि 'व्यथित' जी ने मंच के कोने में जाकर अपनी जेब टटोली। कविता तो खैर उन्होंने ऐसी पढ़ी थी कि सामने बैठे कुल तेरह श्रोताओं में से सात नींद में चले गए थे, पांच अपने फोन पर रील्स देख रहे थे और एक आयोजक का साला था, जिसे हॉल की चाबी जमा करानी थी। किंतु महाकवि के चेहरे पर जो चमक थी, वह किसी ऑस्कर विजेता जैसी थी। हाथ में था सौ रुपये के लैमिनेशन में मढ़ा हुआ रंग-बिरंगा गत्ते का टुकड़ा, जिस पर सुनहरे अक्षरों में अंकित था-'काव्य-शिरोमणि प्रतिभागिता सम्मान'।

कवि सम्मेलन भले ही शाम सात से आठ चला हो, लेकिन असली काव्य-कर्म तो रात नौ बजे शुरू होना था। ऑटो में बैठते ही व्यथित जी ने सबसे पहले उस प्रमाण पत्र की ऐसी तस्वीर खींची, जिसमें उनके चेहरे की शिकन कम और आयोजक संस्था का नाम साफ़ दिखे। इसके बाद शुरू हुआ आधुनिक साहित्य का सबसे कठिन और अनिवार्य अनुष्ठान-'फेसबुकिया कृतज्ञता ज्ञापन'। कैप्शन गढ़ा गया, जिसमें विनम्रता की चाशनी में डूबा हुआ आत्म-प्रचार उफान मार रहा था:"आज 'अंतरराष्ट्रीय साहित्य संगम' गुप्ता जी के बेसमेंट में आयोजित विराट अखिल भारतीय काव्य निशा में देश के मूर्धन्य विद्वानों के सम्मुख अपनी तुच्छ रचनाएँ प्रस्तुत करने का पावन सुअवसर प्राप्त हुआ। अपार जनसमूह की तालियों की अनवरत गड़गड़ाहट और साहित्य-प्रेमियों के इस अगाध स्नेह से अभिभूत हूँ। इस अद्वितीय, ऐतिहासिक और अविस्मरणीय सम्मान हेतु अग्रज संयोजक श्री चुन्नीलाल जी का कोटिशः धन्यवाद एवं हार्दिक आभार! आपका यह ऋण जीवन भर नहीं चुका सकूँगा।" संयोजक चुन्नीलाल जी, जो हॉल का किराया बचाने के लिए बिजली का मेन स्विच पहले ही गिरा चुके थे, ने नोटिफिकेशन देखते ही तुरंत कमेंट दागा- "भाई व्यथित जी, आपकी कालजयी पंक्तियों ने आज पूरे ब्रह्मांड को हिला कर रख दिया। आप सरस्वती के वरदपुत्र हैं।" हकीकत यह थी कि उस हॉल में अगर कोई हिला था, तो वह पंखे का टूटा हुआ ब्लेड था, लेकिन साहित्य का यह अलिखित नियम है: 'तुम मेरी पीठ सहलाओ, मैं तुम्हारी जांघ पर तमगा टांगूँगा।' आधुनिक काव्य-जगत में अब कविता की उम्र उतनी ही रह गई है जितनी देर में प्रमाण पत्र की फोटो अपलोड होकर पचास 'लाइक' न बटोर ले। श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती। उस गत्ते के टुकड़े की कीमत यह है कि उसके लिए कवि अपनी कार का पेट्रोल फूंकता है, संयोजक के हर लतीफे पर ज़बरदस्ती अट्टहास करता है और फिर घर लौटकर दुनिया को यह विश्वास दिलाने में जुट जाता है कि कबीर और तुलसी के बाद अगर कोई बचा है, तो बस वही है- हाथ में प्रमाण पत्र थामे, कैमरे की ओर तिरछी मुस्कान फेंकता हुआ!

श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती।

कुछ हटकर

बीएएमएस : हेल्थकेयर सेक्टर में बनाएं मजबूत पहचान



डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

हेल्थकेयर सेक्टर के विस्तार के साथ आयुर्वेद और ट्रेडिशनल सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन में भी करियर के अवसर बढ़ रहे हैं। बीएएमएस ऐसा अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है, जिसमें आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के साथ मॉडर्न मेडिकल साइंसेज की बेसिक नॉलेज भी दी जाती है। यह कोर्स क्लिनिकल प्रैक्टिस, रिसर्च, वेलनेस, फार्मास्यूटिकल्स और गवर्नमेंट सर्विसेज जैसे क्षेत्रों में करियर के रास्ते खोल सकता है।बीएएमएस में विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना एवं कार्यप्रणाली, रोगों की पहचान, आयुर्वेदिक डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट की जानकारी दी जाती है। प्रमुख विषयों में रचना शरीर, क्रिया शरीर, पदार्थ विज्ञान, द्रव्यगुण विज्ञान, रसशास्त्र एंड भैषज्य कल्पना, रोग निदान, कायचिकित्सा, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एंड स्त्री रोग तथा कौमारभृत्य शामिल हैं। क्लिनिकल ट्रेनिंग और इंटर्नशिप भी कोर्स का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

प्रमुख विषय

बीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित कर सकते हैं। इनमें कायचिकित्सा, पंचकर्म, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एवं स्त्री रोग, कौमारभृत्य, द्रव्यगुण तथा स्वस्थवृत्त एवं योग प्रमुख हैं। आज केवल डिग्री ही पर्याप्त नहीं है। बीएएमएस स्टूडेंट्स को कम्युनिकेशन, पेशेंट काउंसलिंग, डॉक्यूमेंटेशन, डिजिटल लिटरेसी, इंटरपर्सनल स्किल्स और रिसर्च स्किल्स पर भी ध्यान देना चाहिए। पेशेंट को सरल भाषा में ट्रीटमेंट समझाना और हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी का बेसिक ज्ञान रखना प्रोफेशनल ग्रोथ में मदद कर सकता है।



प्रमुख करियर रोल्स

- आयुर्वेदिक फिजिशियन
- मेडिकल ऑफिसर
- क्लिनिकल कंसल्टेंट
- पंचकर्म कंसल्टेंट
- वेलनेस कंसल्टेंट
- रिसर्च एसोसिएट
- हेल्थकेयर मैनेजमेंट प्रोफेशनल

हायर स्टडीज के विकल्प

सबीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स एमडी, एमएस पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स और पीएचडी जैसे हायर स्टडीज ऑप्शंस चुन सकते हैं। हेल्थकेयर मैनेजमेंट, पब्लिक हेल्थ, योग, न्यूट्रिशन और वेलनेस जैसे इंटरडिसिप्लिनरी क्षेत्रों में अतिरिक्त क्वालिफिकेशन भी उपयोगी हो सकती है।

एंटरप्रेन्योरशिप और सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट

सरकारी बीएएमएस ग्रेजुएट्स अनुभव और आवश्यक नियमों का पालन करते हुए आयुर्वेदिक क्लीनिक, पंचकर्म सेंटर, वेलनेस सेंटर या हेल्थकेयर कंसल्टेंसी शुरू कर सकते हैं। आयुर्वेदिक मेडिसिन्स, हर्बल प्रोडक्ट्स और वेलनेस सर्विसेज से जुड़े बिजनेस भी संभावित विकल्प हैं।

- बीएएमएस के बाद इनकम

बीएएमएस के बाद इनकम क्वालिफिकेशन, एक्सपीरियंस, लोकेशन, जॉब प्रोफाइल, क्लिनिकल एक्सपर्टाइज और प्रैक्टिस मॉडल पर निर्भर करती है। गवर्नमेंट जॉब में पे स्ट्रक्चर संबंधित सरकारी नियमों के अनुसार होता है, जबकि प्राइवेट प्रैक्टिस और बिजनेस में इनकम पेशेंट बेस, सर्विसेज और बिजनेस स्केल से प्रभावित हो सकती है। बीएएमएस उन स्टूडेंट्स के लिए उपयोगी करियर विकल्प हो सकता है, जिनकी रुचि आयुर्वेद, हेल्थकेयर, पेशेंट केयर और वेलनेस में है।

मोटिवेशनल

सही समय का इंतज़ार नहीं, शुरुआत ज़रूरी



विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा लगभग हर व्यक्ति के भीतर होती है। कोई प्रतियोगी परीक्षा में सफलता चाहता है, कोई व्यवसाय शुरू करना चाहता है, कोई किताब लिखना चाहता है, कोई नई भाषा सीखना चाहता है तो कोई अपने जीवन की दिशा बदलना चाहता है। सपने अलग हो सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने के रास्ते में एक समान बाधा अक्सर दिखाई देती है, सही समय का इंतज़ार।हम अक्सर खुद से कहते हैं कि जब परिस्थितियां बेहतर होंगी, समय अधिक मिलेगा, आर्थिक स्थिति सुधरेगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा या परिवार और समाज का पूरा सहयोग मिलेगा, तब शुरुआत करेंगे। लेकिन जीवन का अनुभव बताता है कि आदर्श परिस्थितियां हमेशा इंतज़ार नहीं करतीं। कई बार परिस्थितियां शुरुआत के बाद ही बदलती हैं।दरअसल, शुरुआत शायद ही कभी पूरी तैयारी के साथ होती है। जो विद्यार्थी पहली बार मंच पर खड़ा होता है, वह अनुभवी वक्ता नहीं होता। जो युवा पहली बार प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू करता है, उसके पास शुरुआत में पूरी रणनीति नहीं होती। जो व्यक्ति पहली बार लेख लिखता है, उसकी भाषा में पूर्णता नहीं होती। लेकिन हर विशेषज्ञ कभी न कभी शुरुआती व्यक्ति रहा है।पहला कदम छोटा हो सकता है, लेकिन उसका महत्व छोटा नहीं होता।अक्सर लक्ष्य की दूरी हमें पहला कदम उठाने से रोकती है। हम यह भूल जाते हैं कि लंबी यात्राएं भी छोटे-छोटे कदमों से ही पूरी होती हैं। प्रतिदिन केवल एक घंटा किसी नई चीज को सीखने में लगाना शायद एक दिन में कोई बड़ा परिवर्तन न दिखाए, लेकिन छह महीने या एक वर्ष की निरंतरता उसी एक घंटे को एक बड़ी उपलब्धि में बदल सकती है।समस्या हमेशा समय या संसाधनों की कमी नहीं होती। कई बार समस्या उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल शुरू न करना होती है।आज सीखने के साधन पहले से कहीं अधिक उपलब्ध हैं। "कल से शुरू करूंगा" जीवन के सबसे महंगे वाक्यों में से एक हो सकता है।क्योंकि कल आता है तो आज बन जाता है और फिर वही आज अगले कल में बदल जाता है।इस चक्र को तोड़ने का एक ही तरीका है, बड़े लक्ष्य को छोटे काम में बदल देना। किताब लिखनी है तो पहला पृष्ठ लिखिए। परीक्षा की तैयारी करनी है तो पहला अध्याय पढ़िए। स्वास्थ्य बेहतर करना है तो आज कुछ कदम अधिक चलिए।

ग़ज़ल

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं
तुझे ऐ जिंदगी हम दूर से पहचान लेते हैं

मिरी नजरें भी ऐसे कातिलों का जान ओ ईमान है
निगाहें मिलती ही जो जान और ईमान लेते हैं

जिसे कहती है दुनिया कामयाबी वाए नादानी
उसे किन कीमतों पर कामयाब इनसान लेते हैं

निगाह-ए-बादा-गुन यूं तो तीरी बातों का क्या कहना
तीरी हर बात लेकिन एहतियातन छान लेते हैं

तबीयत अपनी घबराती है जब सुनसान रातों में
हम ऐसे में तेरी यादों की चादर तान लेते हैं

खुद अपना फैसला भी इश्क में काफी नहीं होता
उसे भी कैसे कर गुजरें जो दिल में ठान लेते हैं

हयात-ए-इश्क का इक इक नफस जाम-ए-शहादत है
वो जान-ए-नाज-बरदारन कोई आसान लेते हैं

तुझे घाटा न होने देंगे कारोबार-ए-उल्फत में
हम अपने सार तीरा ऐ दोस्त हर एहसान लेते हैं

'फ़िराक़' अक्सर बदल कर भेस मिलता है कोई काफ़िर
कभी हम जान लेते हैं कभी पहचान लेते हैं



फ़िराक़ गोरखपुरी
शायर

सड़कों, बाजारों और कॉलोनियों में लगा रहता है जमावड़ा, जाम की स्थिति

शहर में बेसहारा गोवंश बढ़ा रहा परेशानी वाहन चालक हो रहे हैं हादसों का शिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर की सड़कों पर रात-दिन घूमते बेसहारा गोवंश लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। कई बार ये पशु सड़क के बीचों-बीच बैठ जाते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होने के साथ ही वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। रात के समय स्थिति और अधिक चिंताजनक हो जाती है। शहरवासियों ने कहा कि कई माह पहले जिला प्रशासन की ओर से बेसहारा गोवंशों को गोशालाओं तक पहुंचाने के लिए नगर परिषद के सहयोग से कैटल फ्री अभियान भी चलाया गया था, जिसके अंतर्गत कई बेसहारा गोवंशों को विभिन्न गोशालाओं में पहुंचाया गया। लेकिन कुछ समय बाद अभियान की गति धीमी पड़ गई, जिसके चलते शहर में एक बार फिर बेसहारा पशुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। लोगों के अनुसार यदि प्रशासन नियमित रूप से कैटल फ्री अभियान चलाए और पकड़े गए बेसहारा गोवंशों को गोशालाओं तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करे, तो सड़क हादसों के खतरे को कम करने के साथ-साथ किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान पर भी अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेसहारा गौवंशों के कारण कई लोग घायल हो चुके है जबकि कई लोगों की जान भी जा चुकी है।

सिटी पल्स

प्रशासन नियमित रूप से कैटल फ्री अभियान चलाए और पकड़े गए बेसहारा गोवंश को गोशालाओं तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें

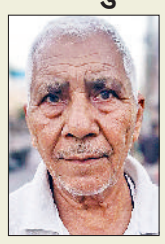


रात को हादसे की आशंका : आजाद



कानूनगो मोहल्ला निवासी आजाद दीवान ने कहा कि शहर में बढ़ते बेसहारा गोवंश आम लोगों के लिए परेशानी बन रहे हैं। सड़क पर अचानक पशु सामने आने से वाहन चालकों को परेशानी होती है। रात के समय हादसे की आशंका और बढ़ जाती है।

खेतों में घुस जाते हैं पशु : महेंद्र सिंह



भट्टी गेट निवासी महेंद्र सिंह ने बताया कि फसल के मौसम में बेसहारा गोवंश खेतों में घुस जाते हैं। इससे किसानों की मेहनत खराब होने के साथ उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि बेसहारा गोवंशों को गोशालाओं तक पहुंचाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए और अभियान को नियमित रूप से चलाया जाए ताकि किसी को समस्या का सामान नहीं करना पड़े।

बुजुर्गों को भी दिक्कतें : सोनू



दुकानदार सोनू ने बताया कि सड़कों पर घूमते बेसहारा पशुओं के कारण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को विशेष परेशानी होती है। कई बार अचानक पशु सामने आ जाने से हादसे का डर बना रहता है। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले गोवंशों को रोटी डालने गई महिला भी उनकी चपेट में आकर घायल हो गई थी।



निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 142 लोगों ने करवाई जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

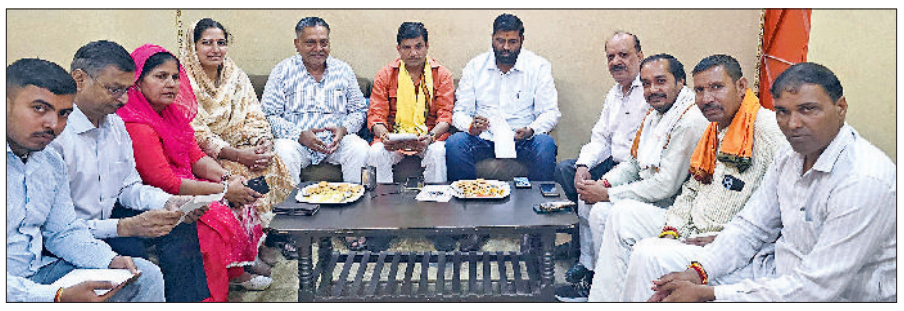
कैंप में लोगों ने नेत्र के साथ ही बीपी, शुगर और सामान्य स्वास्थ्य जांच करवाई

चिकित्सकों जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क दवाइयां दीं

शहर के लाइनपार क्षेत्र में आरआर अस्पताल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। आयोजक ओमबीर छिकारा के अनुसार कैंप में 142 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। कैंप में लोगों ने नेत्र के साथ ही बीपी, शुगर और सामान्य स्वास्थ्य जांच करवाई। चिकित्सकों द्वारा उचित परामर्श के अलावा जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क दवाइयां भी दी गई।

कैंप में डॉ. अभिषेक आर्य, डॉ. हरेंद्र, डॉ. अमित, स्वीटी, रितिका, मनीषा, मुकेश व सोनू ने सेवाएं दी। अस्पताल निदेशक मंजीत वर्मा ने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। इस मौके पर उत्तम छिकारा, जयवीर दहिया, मनोज जैसवाल, मास्टर पंकज मेहरा, सोनू, चतर सिंह, नरेश, सुरेश, प्रवीण, अनिल, सीटू, प्रमोद, प्रेम, नरेंद्र, सुनील, अशोक, गोपाल व विजय आदि मौजूद रहे।

संकल्प अभियान के तहत 7 को निकलेगी सेवा ज्योति यात्रा



हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री के सेवा-समर्पण के 25 वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत 7 अक्टूबर को सेवा ज्योति यात्रा निकाली जाएगी। इसकी तैयारियों को लेकर रविवार को नप चेयरपर्सन सरोज राठी के कार्यालय में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा नेता दिनेश कौशिक ने की। बैठक में दिनेश कौशिक ने यात्रा को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसमें अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क बढ़ाने का आह्वान किया। उनके अनुसार सेवा भाजपा की कार्यसंस्कृति का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने बताया कि सेवा ज्योति यात्रा 7 अक्टूबर को सुबह 9 बजे सेक्टर-2 स्थित भाजपा कार्यालय से शुरू होगी और झज्जर पहुंचेगी। झज्जर के नेहरू कॉलेज में प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन दिखाया जाएगा।

बैठक में ये रहे मौजूद: इस अवसर पर बैठक में दिनेश शेखावत, पालेराम शर्मा, राजेश तंवर, विजय दलाल, सुदेश रंगा, रमेश आर्य, प्रवीण सिंगला, दीपक सैनी व विशाल शास्त्री आदि मौजूद रहे।

सभी 90 विस. क्षेत्रों में जनसभाएं करेंगे अजय सिंह चौटाला : पाराशर

झज्जर। जेजेपी के जिला प्रवक्ता विकास पाराशर ने बताया कि डॉक्टर अजय सिंह चौटाला आगामी दिनों में 90 हलकों में जनसभाएं करेंगे। इस दौरान युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि दो अक्टूबर को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर जननायक जनता पार्टी ने डॉक्टर अजय सिंह चौटाला के नेतृत्व में जनजागरण अभियान की शुरुआत की है जो अगले कुछ दिनों में 90 हलकों में अपने पुराने साथियों और युवाओं के साथ चण्डीगढ़ का रस्ता तय करेंगे।



जटवाड़ा के 7 बिसवा में 50 लाख से बन रही सीसी गली, चेयरपर्सन के पति ने कार्य का लिया जायजा

■ स्थानीय लोगों की मांग और आवश्यकता के अनुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही : रमेश राठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जटवाड़ा मोहल्ला स्थित सात बिसवां में नगर परिषद की ओर से करीब 50 लाख रुपये की लागत से सीसी गली बनाई जा रही है। चेयरपर्सन सरोज राठी के पति रमेश राठी ने रविवार को निर्माण कार्य का जायजा लिया।

चेयरपर्सन सरोज राठी का कहना है कि मुख्यमंत्री नायब सैनी और शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल के मार्गदर्शन में शहर में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। नगर परिषद की ओर से विभिन्न वार्डों में सड़कों और गलियों के निर्माण सहित कई विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल करवाना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। स्थानीय लोगों की मांग और आवश्यकता के अनुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इस दौरान महेंद्र भाटिया, मनोज शर्मा, त्रिलोक सैनी, सुशील कौशिक, आशु सैनी, रविंद्र सैनी, कमल यादव, अशोक शर्मा, जगबीर राठी, महेंद्र राठी, मनमोहित गुप्ता आदि मौजूद रहे।



बहादुरगढ़। सात बिसवा में गली निर्माण का जायजा लेते रमेश राठी व अन्य।

पुरुषों को भी होता है ब्रेस्ट कैंसर मामूली गांठ को नजरअंदाज न करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ लोकनायक अस्पताल, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली की प्रोफेसर एवं एमडी पैथोलॉजी डॉ. रीना तोमर से विशेष बातचीत

आमतौर पर जब भी ब्रेस्ट कैंसर की बात होती है, लोगों के जेहन में सबसे पहले महिलाओं का नाम आता है। लेकिन यह बीमारी केवल महिलाओं तक सीमित नहीं है। पुरुषों में भी कैंसर के मामले सामने आते हैं। हालांकि इनकी संख्या कम है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण कई बार पुरुष शरीर में होने वाले बदलावों को लंबे समय तक नजरअंदाज कर देते हैं और बीमारी गंभीर अवस्था में पहुंच जाती है। लोकनायक अस्पताल मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज नई दिल्ली की प्रोफेसर एवं एमडी पैथोलॉजी डॉ. रीना तोमर ने विशेष बातचीत में बताया कि मेल ब्रेस्ट कैंसर के मामले कुल मामलों का लगभग एक से दो प्रतिशत हो सकते हैं। उनका कहना है कि पुरुषों को भी छाती में होने वाली किसी असामान्य गांठ या बदलाव को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि हाल ही में 64 वर्ष के एक व्यक्ति में करीब 20 सेंटीमीटर की गांठ सामने आई। इतनी बड़ी गांठ इस बात की ओर इशारा करती है कि बीमारी के शुरुआती संकेतों को लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। यदि छाती में छोटी-सी गांठ महसूस हो तो उसे यह सोचकर छोड़ देना ठीक नहीं कि पुरुषों में ब्रेस्ट कैंसर नहीं होता।

जिला सेपकटकरा टीम का चयन आज

चैंपियनशिप 10 व 11 को चरखीदादरी में होगी

बहादुरगढ़। झज्जर जिले की सेपकटकरा टीम चुनने के लिए सोमवार को गांव मेहंदीपुर डाबोदा के फुटबॉल स्टेडियम में ट्रायल होगा। इस बारे में जानकारी देते हुए कोच प्रदीप दलाल ने बताया कि महिला व पुरुष वर्ग की 23वीं सीनियर स्टेट सेपकटकरा चैंपियनशिप आगामी 10 व 11 अक्टूबर को चरखीदादरी में होगी। इसके लिए तमाम जिले तैयारियां कर रहे हैं। झज्जर जिले की टीम चुनने के लिए सोमवार को ट्रायल होगा। खिलाड़ियों को आधार कार्ड, फोटो आदि जरूरी दस्तावेजों के साथ समय पर रिपोर्ट करनी है।

सैनी धर्मशाला में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

■ सौभाग्यवती महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर शोभायात्रा निकाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बेरी गेट स्थित सैनी धर्मशाला में रविवार से श्रीमद्भागवत कथा की शुरूआत की गई। पहले दिन कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान सौभाग्यवती महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर शोभायात्रा निकाली। सैनी धर्मशाला से शुरू हुई यह कलश शोभायात्रा सीताराम गेट से मेन बाजार, अंबेडकर चौक व बेरी गेट से होते हुए वापिस धर्मशाला परिसर पहुंच कर संपन्न हुई।

आयोजक समिति सदस्या कविता सैनी ने बताया कि आगामी दस अक्टूबर तक चलने वाले इस ज्ञान यज्ञ महाउत्सव में वृंदावन से त्रिवेंद्र दास महाराज दोपहर बारह बजे से चार बजे तक कथा का श्रवण कराएंगे। इस मौके पर शीला, अनीता, कविता, अमित, दीपक, रिंकू, नसीब, सुनील, मंजीत सहित अन्य भी उपस्थित रहे।



झज्जर। कलश शोभायात्रा में भाग लेते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण केंद्रों पर आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम शुरू

गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार के संबंध में भी जानकारी दी



बहादुरगढ़। आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते छोटे बच्चे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

■ उचित पोषण, वृद्धि एवं विकास तथा स्वस्थ जीवनशैली की जानकारी दी

रविवार को सेवा संकल्प अभियान के आंगन मिलन सेवा मॉड्यूल के अंतर्गत खंड बहादुरगढ़ ग्रामीण-एक में आंगनबाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ हो गया। इस दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों पर लाभार्थियों से संवाद कर पोषण, बच्चों की वृद्धि एवं विकास, स्वस्थ खान-पान और अच्छे व्यवहार सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग की डीपीओ नेहा दहिया ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों के लाभार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें बच्चों के उचित पोषण, वृद्धि एवं विकास तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार के संबंध में भी जानकारी दी गई।

बहादुरगढ़ खंड के ग्रामीण-1 में विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों में आयोजित गतिविधियों में कुल 8863 लाभार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की टीमों द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व एवं शिशु कल्याण योजना तथा आंगनवाड़ी आधारित स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई।

गांव दूबलधन में आज लगेगा सेवा सेतु कैंप

झज्जर। सेवा संकल्प अभियान के तहत आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ उनके नजदीक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में सेवा सेतु कैंप लगाए जा रहे हैं। सीईओ जिप मनीष फौगाट ने बताया कि आगामी पांच अक्टूबर को गांव दुबलधन, छह अक्टूबर को बादली ब्लॉक मुख्यालय व मातनहेल ब्लॉक मुख्यालय, सात अक्टूबर को गांव बुपनिया तथा आठ अक्टूबर को गांव गुभाना में सेवा सेतु कैंप आयोजित किए जाएंगे। वहीं नौ अक्टूबर को गांव खानपुर खुर्द व गांव पाटोदा, दस अक्टूबर को गांव बिरोहड़, 12 अक्टूबर को माछरौली ब्लॉक मुख्यालय व गांव ढाकला, 13 अक्टूबर को गांव खुड्डन, 14 अक्टूबर को साल्हावास ब्लॉक मुख्यालय तथा 15 अक्टूबर को गांव भूरावास में सेवा सेतु कैंप आयोजित किए जाएंगे।

हरियाणा की मिट्टी में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर



एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विक्रम कादियान ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और अदम्य खेल-जज्बे के दम पर पूरे एशिया में प्रदेश की खेल शक्ति का परचम लहराया है। खिलाड़ियों की उपलब्धियों ने एक बार फिर साबित किया है कि हरियाणा की मिट्टी में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि हॉकी, कुश्ती, मुक्केबाजी, तीरंदाजी, गोल्फ सहित विभिन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें हरियाणा के खिलाड़ियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुक्केबाजों ने अपने दमदार प्रदर्शन से अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर प्रदेश की ताकत का अहसास कराया है। तीरंदाजी, गोल्फ, कुश्ती, कब्डी और अन्य खेलों में भी हरियाणा के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा खिलाड़ियों के साथ निरंतर आत्मीय संवाद रखते हैं। खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से मिलना, उनकी समस्याओं को सुनना और उनके परिवारों के साथ संबंध बनाए रखना उनके मनोबल को मजबूत करता है। उन्होंने एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

हितेश चुने गए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, इनविंसिबल टीम बनी उपविजेता

सेक्टर-6 क्रिकेट प्रीमियर लीग में मेवरिक टीम बनी विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के सेक्टर-6 में पिछले चार दिनों से चल रही क्रिकेट प्रीमियर लीग का रविवार को समापन हो गया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में मेवरिक टीम ने इनविंसिबल टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया। इनविंसिबल टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 110 रन बनाए, जबकि मेवरिक टीम ने 19.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में पेस ग्रुप के निदेशक जय विकास नांदल ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। सेक्टर-6 की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान नीरज दलाल ने एसोसिएशन सदस्यों के साथ मिलकर उनका स्वागत किया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए हितेश को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। विजेता टीम मेवरिक और उपविजेता टीम इनविंसिबल को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन, अनुशासन और खेल भावना की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



झज्जर। विजेता टीम खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान करते हुए मुख्यातिथि जय विकास नांदल। फोटो : हरिभूमि

खेल महाकुंभः 20 खेलों के लिए झज्जर में 8 से ट्रायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हरियाणा सरकार की ओर से राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ का आयोजन 30 खेलों में किया जा रहा है। इनमें से 20 खेलों के लिए चयन ट्रायल जिला झज्जर में होगा। आर्चरी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, बास्केटबॉल, साइकिलिंग, फुटबॉल, नेटबॉल, कराटे, थ्रोबॉल, बेसबॉल, जिमनास्टिक, हॉकी, जूडो, कबड्डी, रोइंग, टेनिस, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग, वॉलीबॉल, हैंडबाल, ताइक्वांडो, क्रिकेट, खो-खो व वुशु सहित 30 खेलों में प्रतियोगिताएं होंगी। जिले में अंबेडकर स्टेडियम बहादुरगढ़, वॉलीबॉल ट्रायल सुबह आठ बजे व खो खो ट्रायल सुबह नौ बजे महर्षि दयानंद स्टेडियम, क्रिकेट ट्रायल दोपहर तीन बजे नेहरू कॉलेज क्रिकेट ग्राउंड में होगा। बास्केटबॉल ट्रायल 9 अक्टूबर को दोपहर 2:30 बजे, कबड्डी की ट्रायल सुबह 8 बजे महर्षि दयानंद स्टेडियम में, तैराकी की ट्रायल 10 अक्टूबर को सुबह 10 बजे एचएल सिटी बहादुरगढ़, हैंडबाल की दोपहर 2 बजे राजीव गांधी खेल परिसर बरहाना तथा कुश्ती की ट्रायल जयबीर अखाड़ा बूपनिया में होगी।

कैनोइंग ट्रायल 11 अक्टूबर को

कैनोइंग की ट्रायल 11 को सुबह 10 बजे गांव भूरावास में, बॉक्सिंग व वेटलिफ्टिंग का ट्रायल 12 को सुबह आठ बजे डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्टेडियम बहादुरगढ़ व सुबह 11 बजे महर्षि दयानंद स्टेडियम झज्जर में होगा। जूडो की ट्रायल सुबह 9 बजे बहादुरगढ़ स्टेडियम, जबकि ताइक्वांडो की ट्रायल सुबह 10:30 बजे मिनी स्टेडियम आसौदा में और फुटबॉल में लड़कियों की ट्रायल 12 को दोपहर 2 बजे तथा लड़कों का ट्रायल 13 को दोपहर 2 बजे राजीव गांधी खेल परिसर दुल्हेड़ा और 13 को एथलेटिक्स में लड़कों का ट्रायल तथा 14 को लड़कियों का ट्रायल सुबह 8 बजे राजीव गांधी खेल परिसर तलाव में होगी। शूटिंग का ट्रायल 13 व 14 को सुबह 9 बजे ओलम्पियाड शूटिंग अकादमी झज्जर में और जिम्नास्टिक ट्रायल इसी दिन सुबह 10 बजे महर्षि दयानंद स्टेडियम में होगी। आर्चरी की ट्रायल 19 अक्टूबर को सुबह 8 बजे व साइक्लिंग की ट्रायल सुबह 10 बजे महर्षि दयानंद स्टेडियम में होगा।



बहादुरगढ़। मैराथन में पदक जीतने वाले बीआरजी के धावक। फोटो : हरिभूमि

नई दिल्ली में एयरफोर्स मैराथन में दौड़े बीआरजी के 150 धावक

मैराथन परम वीर चक्र विजेता फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों की वीरता और वायु सेना के जवानों को समर्पित रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भारतीय वायु सेना द्वारा रविवार को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित सेखों इंडियन एयरफोर्स मैराथन में लगभग 30 हजार धावकों ने भाग लिया। इसमें बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के भी 150 धावकों ने दौड़ लगाई। बीआरजी संस्थापक दीपक छिल्लर और डॉ. किरण छिल्लर को विशेष रूप से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

बता दें कि यह मैराथन परम वीर चक्र विजेता फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों की वीरता और भारतीय वायु सेना के जवानों को समर्पित रही। बीआरजी धावकों ने विभिन्न श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक हासिल किए। दीपक छिल्लर ने बताया कि 5 किलोमीटर अंडर-18 वर्ग में अभिमन्यु हुड्डा ने दूसरा स्थान, महिलाओं में संजू सैनी ने तीसरा स्थान, 40-50 आयुवर्ग में बीआरजी के संदीप ने पहला, रोहताश ने दूसरा और धर्मवीर ने तीसरा स्थान, 50-60 आयुवर्ग में धर्मवीर सैनी ने तीसरा और 60 प्लस में आरके मोर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं 10 किलोमीटर के 40-50 आयुवर्ग में नरेंद्र जांगड़ा ने पहला, अंडर-18 महिला वर्ग में प्राची ने पहला, सीमा रावत ने तीसरा स्थान, 21 किलोमीटर में ललिता पांडे ने 50-60 आयु वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। रणबीर सांगवान ने 50-60 आयु वर्ग में तीसरा और कृष्णा राणा ने 60 प्लस महिला वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा गुरुग्राम में फोर्टिस हॉस्पिटल द्वारा आयोजित रन में बीआरजी धावक हेमदत्त ने 21 किलोमीटर में दूसरा स्थान हासिल कर 10 हजार रुपए का नकद पुरस्कार जीता।



झज्जर। कार्यक्रम के दौरान अपनी प्रस्तुति देते हुए बालिकाएं। फोटो : हरिभूमि

कोट अद्दू बिरादरी के 42वें पारिवारिक महासम्मेलन में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

भजन गायक योगेश रंजन ने श्रद्धालुओं को किया मंत्रमुग्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर परिसर में पंजाबी समाज की तहसील कोट अद्दू बिरादरी का 42वां पारिवारिक महासम्मेलन नरेंद्र मदान के नेतृत्व में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मदन खुराना, सुरेश आर्य, सुधांशु हंस, गीतांशु चावला ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। समिति के संरक्षक श्रवण मदान द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में रुद्र कौशिक, नयन हंस एवं योगेश रंजन ने श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर पारिवारिक सम्मेलन की शुरुआत की। कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए बहादुरगढ़, दिल्ली, पानीपत, करनाल, सोनीपत, रोहतक, गुरुग्राम, झज्जर, हरिद्वार आदि शहरों में रहने वाले समाज के सदस्य परिवार सहित पहुंचे। इस अवसर पर भजन गायक योगेश रंजन ने पंजाबी भजन प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में बच्चों ने एक के बाद एक शानदार प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस मौके पर वी के नरुला, पंडित पवन कौशिक, जगदीश गेरा, रेवती नंदन काठपालिया, नरेश मल्होत्रा, दीपक खट्टर, कुलदीप खन्ना, महेश काठपालिया, वेद बहल पाशु, नारायण तनेजा, विजय कामरा, मोहन लाल सेतिया, आशीष चावला, मनीष मेहता, सुभाष वर्मा, संजय भाटिया, प्रवीण सुखीजा, ईश चुघ, अशोक गेरा, मुकेश पोपली, भूषण चुघ, अश्वनी अरोड़ा, अनिल छाबड़ा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

पीटीएम शिक्षक और अभिभावकों के बीच समन्वय स्थापित करने का माध्यमः कोडान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एमआर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हसनपुर में अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम एवं विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को लेकर प्री-नर्सरी से कक्षा बारहवीं तक के विद्यार्थियों के अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में करीब 90 फीसदी अभिभावकों ने भाग लिया और विषय-अध्यापकों से बच्चों के परीक्षा परिणाम, उपस्थिति, उपलब्धियों व कमजोर विषयों को लेकर विस्तार से चर्चा की।

विषय-अध्यापकों ने अभिभावकों को नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन, निरंतर अभ्यास तथा कमजोर विषयों पर विशेष ध्यान देने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। विद्यालय निदेशक सोमबीर कोडान ने कहा कि पीटीएम विद्यालय, शिक्षक और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ अनुशासन, व्यवहार, आत्मविश्वास और सर्वांगीण विकास पर ध्यान देने का आह्वान किया। प्राचार्या नेहा शर्मा ने अभिभावकों की उपस्थिति पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि बच्चों की बेहतर प्रगति के लिए अभिभावकों और शिक्षकों के बीच नियमित संवाद आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को कमियों को पहचानकर निरंतर मेहनत करने और आगामी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।



झज्जर। शिक्षकों से अपने बच्चों की शैक्षणिक रिपोर्ट लेते हुए अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

महाकुंभ के लिए पहलवानों का चयन 10 को जयवीर अखाड़े में

बहादुरगढ़। हरियाणा खेल महाकुंभ के लिए तैयारियां शुरू हो गई है। खेलों के तहत झज्जर जिले की कुश्ती टीम चयन करने के लिए गांव बुपनिया स्थित जयवीर अखाड़े में ट्रायल कराया जाएगा। ट्रायल प्रक्रिया शनिवार 10 अक्टूबर की सुबह आरंभ होगी। इस बारे में जानकारी देते हुए कोच जयवीर ने बताया कि फ्री स्टाइल में 57, 61, 65, 70, 74, 79, 86, 92, 97, 125 किलोग्राम भारवर्ग में मुकाबले होंगे। ग्रीकोरोमन में 55, 60, 63, 67, 72, 77, 82, 87, 97, 130 किलोग्राम भारवर्ग में पहलवान मैट पर उतरेंगे। जबकि 50, 53, 55, 57, 59, 62, 65, 68, 72, 76 किलोग्राम भारवर्ग में महिला पहलवान दमखम दिखाएंगी। सभी पहलवानों को अपना आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र सहित अन्य जरूरी दस्तावेज साथ लाने हैं। सुबह 8 से 9 बजे तक वहन लिया जाएगा। फिर 9 बजे के बाद वजन नहीं लिया जाएगा। वजन में 2 किलोग्राम तक की छूट रहेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करने वाले पहलवान टीम में अपना चयन सुनिश्चित करेंगे। हमारे जिले में शानदार कुश्ती प्रतिभाएं हैं। ट्रायल में अच्छे मुकाबले देखने को मिलेंगे। उम्मीद है चुनी जाने वाली टीम आने वाले महाकुंभ में जिले का गौरव बढ़ाएगी।



बहादुरगढ़। कोच जयवीर।



पीटीएम में अभिभावकों ने लिया बच्चों की शैक्षणिक प्रगति का जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में रविवार को पीटीएम का आयोजन किया गया। पीटीएम में प्री-नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के सेमिटिव असेसमेंट-वन परीक्षा परिणाम को लेकर पीटीएम का आयोजन किया गया।

स्कूल प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि एसए-वन परीक्षा के आधार पर विद्यार्थियों की रिपोर्ट तैयार कर अभिभावकों के साथ साझा की गई। इस दौरान अध्यापकों ने बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर अभिभावकों को आवश्यक सुझाव दिए तथा उनके सुझाव भी नोट किए। स्कूल प्रबंधक केएम डागर ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अभिभावक-शिक्षक संवाद बेहद महत्वपूर्ण है। स्कूल डायरेक्टर जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया, योजित गुलिया और भविष्य दहिया ने अभिभावकों का स्कूल पहुंचने पर आभार व्यक्त किया। पीटीएम को सफल बनाने में एचओडी रविंद्र लोहचब, पूजा कादियान, डीपीई अमित लोहचब, विशाल कुमार, जितेंद्र तथा भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा का विशेष योगदान रहा।

न्यूज डायरी



साहित्यकार अशोक कुमार को जनिका श्रीसेवी सम्मान

झज्जर। साहित्य एवं संस्कृति अकादमी हरियाणा और आदर्श जन सेवा एजुकेशन सोसायटी डिंग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय जनिका सम्मेलन में साहित्यकार अशोक कुमार ढोरिया की नवीनतम पुस्तक पपाट के फूल का लोकार्पण किया गया। साहित्य क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें जनिका श्रीसेवी सम्मान-2026 से भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉक्टर शैलजा छाबड़ा, प्रोफेसर रूप देवगुण, डॉक्टर राजकुमार निजात, डॉक्टर ज्ञान प्रकाश पीयूष, शुभराम शास्त्री, जनकराज शर्मा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।



नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया जागरूक

झज्जर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में विभिन्न जनकल्याणकारी एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में अभियान के मॉड्यूल नमो सेवा अनकही कहानियां के तहत रविवार को जिले के गांवों में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से कलाकारों ने आमजन को नशे से दूर रहने, सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक होने तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का संदेश दिया। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि सोमवार को शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।



महराना के शिविर में 51 युवाओं ने किया रक्तदान

झज्जर। महराना की नई चौपाल में शहीद भगत सिंह जयंती पर जनशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रक्तदान शिविर लगाया गया। अध्यक्षता कर्मबीर महराना ने की, जबकि संदीप प्रजापति व अजय नारा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिविर में 51 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया। इस दौरान ट्रस्ट पदाधिकारियों ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र, टी-शर्ट व हेलमेट देकर सम्मानित किया। अतिथियों को सम्मान स्वरूप पौधे भेंट किए गए। रोहतास शर्मा, अमित महराना, रिंकू मलिक, रवि मलिक, ढेवेंद्र कोच, संजीत, प्रदीप, अजय, दीक्षांत, कृष्ण शास्त्री, मास्टर नरेश, जितेंद्र दक्ष, प्रवीन प्रजापति, रामानंद दलाल, जेपी कादियान, पवन, लाजपत, अरविंद, कर्मवीर व अन्य मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295154800, 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 60 फीसदी पदक जीतते हैं हमारे खिलाड़ी

गुजरात नहीं, खेल महाकुंभ पर हरियाणा का पहला हक

कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह व सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

लाखों-करोड़ खर्च करके कॉमनवेल्थ खेल और ओलंपिक खेल हरियाणा की बजाय गुजरात में करवाने के मुद्दे पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उनके अनुसार देश को मिलने अंतरराष्ट्रीय पदकों में 60 प्रतिशत हरियाणा के खिलाड़ी जीतते हैं। ऐसे में मेरिट के आधार पर कॉमनवेल्थ खेल हरियाणा में होने चाहिए। वे रविवार को बहादुरगढ़ में हुए शहरी और ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

दरअसल, इस सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और सांसद दीपेंद्र हुड्डा समेत अन्य नेताओं ने शिरकत की। भाजपा को भारतीय झूठी पार्टी बताते हुए सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने आरोप लगाया कि बीजेपी सत्ता में बने रहने के लिए साजिश रचती रहती है। भाजपा ने 100 स्मार्ट सिटी बनाने, खाते में 15 लाख देने, दो करोड़ नौकरी देने, बुलेट ट्रेन चलाने व कालाधन लाने समेत अनेक वायदे किए थे। लेकिन अब वे देश की संपत्ति को चंद बड़े उद्योगपति घरानों के हवाले करने में जुटे हैं। हरियाणा प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि बीजेपी ने हरियाणा में वोट के साथ ही जनादेश की चोरी की है। प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय यहां मेट्रो आई, एम्स, हाईवे बने, फोरलेन, बाईपास, कॉलेजों, आईटीआई, शिक्षा के संस्थान बने, एटॉमिक यूनिवर्सिटी, न्यूक्लियर यूनिवर्सिटी आई और इलाके की तस्वीर बदली। लेकिन पिछले 12 साल में एक भी कोई बड़ी परियोजना बहादुरगढ़-झज्जर तो क्या प्रदेश में ही नहीं आई। इस अवसर पर विधायक कुलदीप वत्स, पूर्व विधायक राजेंद्र जून, जिलाध्यक्ष संजय यादव, यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष निशीत कटारिया, शहरी ब्लॉक अध्यक्ष कमल अरोड़ा, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष संदीप सीटू बराही, विजय अहलावत, पवन दलाल, रवींद्र कौशिक, नीटू भदानी, रवि खत्री, वेद प्रधान, अजय छिकारा, नीना सतपाल राठी, तेजबीर दलाल, प्रदीप लडरावन, नरेश जून, अरुण खत्री, विक्रम छिल्लर, सुरेश राठी, प्रियव्रत दलाल, आजाद राठी, असलम खान आदि मौजूद रहे।



बहादुरगढ़। कांग्रेस नेताओं का स्वागत करते स्थानीय पदाधिकारी।



बहादुरगढ़। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते सांसद दीपेंद्र हुड्डा।